हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

5

जबलपुर, मंगलवार 8 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

पदमी चौराहा में होगा व्यास पूजन का आयोजन

मण्डला। गुरू पूर्णिमा की तैयारियां शुरू हो गई हैं, गुरू आश्रमों में हर बार की तरह इस बार भी गुरू पूजन के साथ विभिन्न धार्मिक आयोजन होंगे। इसी कड़ी में पदमी चौराहा स्थित गुरू आश्रम में हर बार की तरह इस बार भी यहां व्यास पूजन, रामचरित मानस पाठ, पूजन हवन एवं भण्डारा का आयोजन किया जाएगा। पं. संतोष शास्त्री पदमी वाले ने बताया कि 9 जुलाई को पदमी चौराहा स्थित आश्रम में श्रीराम चरित मानस पाठ का आयोजन किया जाएगा, वहीं 10 जुलाई को गुरू पूर्णिमा के दिन व्यास पूजन, हवन एवं भण्डारा का आयोजन किया जाएगा।

विभागीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

मण्डला। कार्यपालन यंत्री भवन लोक निर्माण विभाग मण्डला में विभागीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एजेंडावार चर्चा करते हुए श्री पारस सिंह कार्यपालन यंत्री की अध्यक्षता में विभागीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक में उन्होंने कहा कि सभी अपने अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों के विभिन्न लंबित प्रकरणों के संबंध में निराकरण की जा चुकी है।बैठक में कर्मचारियों के सातवें वेतनमान, के निर्धारण, समयमान वेतनमान, कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका एवं सेवा सत्यापन, कर्मचारियों के स्वत्त्व भुगतान,वरिष्ठता सूची, विभागीय भविष्य निधि पर्ची, पेंशन प्रकरण, अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरण सहित अन्य विषयों पर कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारी के साथ विमर्श किया गया। इस अवसर पर स्वतंत्र कुमार पटेल, एन.के. शुक्ला, रेवाशंकर पाण्डेय, योगेश चौरसिया, के.डी. दुबे, बी.के. राय, मिश्रीलाल यादव, राधेलाल नरेटी, देवीसिंह धुर्वे,अजय कुमार यादव सहित संबंधित अधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहें।

समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

अतिवृष्टि एवं बाढ़ से निपटने की तैयारी रखें

*** 15 जुलाई के पश्चात ऑफलाईन फाइल स्वीकार नहीं।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला योजना भवन में समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बैठक में कहा कि जिले में लगातार बारिश हो रही है, जिससे सभी नदी, नाले उफान पर हैं। निचले इलाकों में पानी भर रहा है, ऐसे में अतिवृष्टि और बाढ़ से निपटने के लिए सभी अनुविभागीय अधिकारी पर्याप्त तैयारी रखें। ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न जल स्त्रोतों पर बाढ़ का गंदा पानी जाने की आशंका है, ऐसे में दूषित जल से संक्रामक बीमारियों का खतरा है। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर टीमें तैयार रखें। संक्रामक बीमारियों उल्टी, दस्त, डायरिया आदि की सूचना मिलते ही तत्काल मेडीकल टीमें मौके पर रवाना करें।

बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि बहुत से मार्गों में पुल, पुलियों के ऊपर नदी, नालों का पानी आ जाता है ऐसी स्थिति में लोगों को न जाने दें और आवागमन अवरुद्ध रखें। निचली बस्तियों व नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में आश्रय स्थलों की व्यवस्था रखें जिससे आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रखा जा सके। सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि अतिवृष्टि अथवा बाढ़ के कारण जन हानि, पशु हानि, मकान की क्षति के संबंध में 48 घंटे के भीतर रिपोर्ट तैयार कर प्रकरण स्वीकृत कराएं।

सीएम हेल्पलाईन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि राजस्व, पंचायत, पीएचई, ऊर्जा, पीडब्ल्यूडी, ट्राईबल, परिवहन और स्वास्थ्य विभाग की शिकायतें अधिक संख्या में लम्बित हैं, यह सभी विभाग शिकायतों के निराकरण की गति तेज करें। सभी विभाग प्रमुख अपने-अपने विभाग की संतुष्टि का प्रतिशत देखें और उसे बेहतर कराएं। समग्र ईकेवाईसी की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि बुधवार को इसके लिए कैम्प लगाकर मिशन मोड में कार्य किया जाना है। संबंधित अधिकारी इसके लिए तैयारी करते हुए लक्ष्य तय करें एवं सभी संबंधित निकाय इस सप्ताह 85 प्रतिशत का बेंचमार्क प्राप्त करना सुनिश्चित करें। फूड ईकेवाईसी के संबंध में कलेक्टर ने कहा कि इसमें बहुत कम संख्या में ईकेवाईसी किया जाना शेष है। जिला आपूर्ति अधिकारी एवं जेएसओ एक सप्ताह में 95 प्रतिशत की प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उच्च न्यायालय की अवमानना के प्रकरणों के विषय में कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक प्रकरण में न्यायालय के निर्देशानुसार कम्पलाईस कराएं। कम्पलाईस की एक पावती प्रति जिला शाखा में प्रस्तुत करें। इसी प्रकार रिट पिटिशन के प्रकरणों में विभाग प्रमुख गंभीरतापूर्वक समुचित जवाब न्यायालय में प्रस्तुत करें।

धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के संबंध में कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि संबंधित विभाग आधार, जनधन खाता, जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, सहकारिता, खाद्यान्न पर्ची, उज्जवला तथा आयुष्मान कार्ड जैसी योजनाओं का भेजा जा रहा डाटा फ्रीज करने के पहले क्रॉशचौक करें। चिन्हित 716 ग्रामों का डाटा सभी एसडीएम अंतिम रूप से फाईनल कराएं। ई-ऑफिस के संबंध में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जो विभाग ई-ऑफिस में ऑनबोर्ड हो गए हैं वह ऑफलाईन फाईलें बंद करें। साथ ही जो विभाग ऑनबोर्ड नहीं हुए हैं वह 15 जुलाई के पूर्व ऑनबोर्ड होना सुनिश्चित करें। उक्त तिथि के पश्चात किसी भी विभाग की फाईल ऑफलाईन स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान कलेक्टर ने बिछिया नगर परिषद में उप चुनाव के लिए कराए जा रहे मतदान के संबंध में एसडीएम बिछिया श्री सीएल वर्मा से जानकारी ली। बैठक में सहस्त्रधारा रोड की मरम्मत, नहरों की मरम्मत, फसल क्षति, आंशिक मकान क्षति, नलजल योजनाओं का परीक्षण प्रतिवेदन, गौ अभ्यारण के लिए भूमि चिन्हांकन, आयुष विभाग के भवन तथा नर्सरी के लिए भूमि चिन्हांकन, बीज वितरण आदि बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह, श्री जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

अंधा धुंध बारिश से सड़कों और मकानों में भरा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

लगातार हो रही अंधाधुंध बारिश से सड़कों में भरा पानी सड़कों में पानी निकासी के कोई साधन नहीं नेशनल हाईवे की नालियां चोक होने से सड़कों पर घुटनों तक पानी भर चुका है और बारिश इतनी तेज हो रही है कि बाहर निकलना मुश्किल हो गया है, आने वाले 24 घंटे में भारी बारिश के संकेत मौसम विभाग ने दिए।

कल शाम को 2 घंटे तेज बारिश से नदी नाले उफान पर रहे वही कल फिर हुई बारिश ने नगरीय प्रशासन की भरी नलियों चौक होने वारिश पूर्व व्यस्था न होने के कारण नगर के अनेक मुहल्ले और घरों में घुसा पानी पानी की रफ्तार इतनी तेज थी कि सब्जी वालों बाहर दुकान डरो के समान रोड पर आई बाढ़ बह गए वहीं रहवासी घरों में घुसा पानी रास्तों घुटनों से ऊपर पानी ऐसा बह रहा जैसे नगर की सड़कों में बाढ़ आ गई हो नालियां चोक सड़कों में बड़ा पानी।

जल मग्न हो गए खेत

लगातार बारिश से किसानों के खेत जल मग्न हो गए मेड फूट गए खार भराई रोप का कार्य बाधित हुआ किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीर दिख रही है।

अत्यधिक बारिश होने के कारण नगर के हालात बाढ़ ग्रस्त जैसे हो चुके हैं अनेकों घरों में पानी घुस आया है सड़के पानी से शरा बोर है बारिश रूकने नाम नहीं ले रही अगर ये बारिश होती रही तो हाल बेकाबू हो सकते हैं नगर के अनेक वार्ड बाढ़ ग्रस्त है पानी भरा हुआ है।

प्रभारी मंत्री के आदेश पर स्थानांतरण होने के बाद भी पद छोड़ने को तैयार नहीं है प्रबंधक

नैनपुर। नैनपुर के जिला सहकारी केंद्रीय मर्यादित बैंक में पदस्थ कर्मचारी संगीता भोजक जोकि विगत 10साल से जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा प्रबंधक है। उनका स्थानांतरण प्रभारी मंत्री द्वारा बिछिया किए जाने का स्पष्ट आदेशों के बावजूद स्थानीय सहकारी समिति के कर्मचारियों ने अब तक उन निर्देशों का पालन नहीं किया है। जिससे स्पष्ट होता है। अधिकारी और कर्मचारी प्रभारी मंत्री के आदेशों को हल्के में लेते है। और जिला प्रशासन से मिलकर और मोटी रकम खर्च अपने स्थानतरण को अपनी मन चाही गई जगह में करवा लिया जाता है। जिसके कारण मंडला जिले में जिला प्रशासन को लेकर तरह तरह की बात सामने आने लगी है। मगर जिला प्रशासन में बैठे अधिकारी और कर्मचारी को कोई फर्क नहीं पड़ता है। सूत्रों के अनुसार, प्रभारी मंत्री के द्वारा कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया था। किसानों ने आरोप लगाया कि समिति में कई जरूरी कार्य लंबित पड़े हैं और शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं हो रहा। जनता की मांग है। कि लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई थी। मगर प्रबंधक जाने का नाम नहीं ले रही है। वहीं, समिति प्रबंधन का कहना है कि आदेशों के अनुपालन की प्रक्रिया जारी है। लेकिन वास्तविकता यह है कि अब तक कोई ठोस सुधार नहीं दिख रहा। इस अव्यवस्था से किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पड़रिया उर्फ नारायणगंज के सचिव की दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज के सचिव हरदयाल मरावी का स्थानांतरण अन्य पंचायत में हो गया जिसके विदाई में पड़रिया के सरपंच एवं पंचों के द्वारा सचिव की विदाई दी गई विगत 11 वर्षों से मरावी जी द्वारा पंचायत का सचिव पद को संचालन कर रहे थे उन्होंने लोगों की समस्या एवं शासन की जनकल्याणकारी योजना का लाभ लोगों तक पहुंचा एवं उनकी समस्या का निराकरण कर उन्हें सभी योजनाओं का लाभ दिलाते हुए काम कर रहे थे पड़रिया और नारायण गंज जो की जनपद की सबसे बड़ी पंचायत है वहां पर आए दिन समस्या पर समस्या आती रहती रही हर समस्या की चुनौती मिलकर सरपंच एवं के द्वारा निराकरण किया गया और लोगों की हर समस्या का निराकरण किया गया इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पड़रिया के सरपंच राज कुमार तेकाम नए सचिव अभिषेक शर्मा पंच गण मैं सुरेंद्र सोनी मनीष परते रामकुमार साहू एवं अन्य पंचगण उपस्थित रहे।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शिविर का आयोजन एवं उपकरण वितरण

भुआबिछिया। जनपद शिक्षा केंद्र बिछिया में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न सहायक उपकरणों का वितरण किया गया। यह शिविर समावेशी शिक्षा के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया गया। शिविर में एलिम्को टीम के सहयोग से कुल 14 प्रकार के उपकरणों का वितरण किया गया, जिसमें व्हील चेयर, वॉकर, ट्राय साइकिल, रॉलीटर, क्रच, कान की मशीन, वॉकिंग स्टिक जैसे सहायक उपकरण शामिल थे। इस अवसर पर कुल 70 उपकरणों का वितरण किया गया। शिविर में विकासखंड स्त्रोत समन्वयक हेम सिंह मरावी, एम.आर.सी. बिछिया से श्रीमती माधुरी मोरघड़े एवं चंद्रगुप्त पटेल, तथा बी.ए.सी.के.सी.पटेल,अमरलाल कुशराम की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अधिकारियों ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों एवं बच्चों ने शासन एवं विभाग का आभार प्रकट किया और कहा कि इस प्रकार की पहल बच्चों को आगे बढ़ने में सहायता करेगी।

आयोजन | शासन की सेवा के दौरान दिवंगत हुए लोगों के परिवार को आर्थिक मदद।

अनुकंपा नियुक्ति संबल देने का एक प्रयास है

*** जिला योजना भवन में तृतीय स्मृति सुमन शिविर आयोजित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि शासकीय सेवा के दौरान मृत्यु हो जाने पर कर्मचारी के परिवार पर आर्थिक संकट आ जाता है। जिन्होंने अपने परिवार के मुखिया को खोया उसका दर्द परिजन ही समझ सकते हैं। अनुकंपा नियुक्ति शासन की सेवा के दौरान दिवंगत हुए लोगों के परिवार को आर्थिक संबल देने का एक प्रयास है। मंत्री श्रीमती संपतिया उइके जिला योजना भवन में आयोजित तृतीय स्मृति सुमन शिविर को संबोधित कर रहीं थी। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा, जिला पंचायत सदस्य शैलेष मिश्रा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, एसी ट्राईबल श्रीमती वंदना गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े सहित संबंधित उपस्थित थे।

मंत्री श्रीमती उइके ने अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त कर रहे सभी नव नियुक्ति कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप शासन के नीतिगत प्रावधानों के अनुसार अपने पदीय दायित्वों का निर्वहन करें। यह आपके लिए अंतिम पड़ाव नहीं है, आगे और पढ़ाई करते हुए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होकर आप सभी उच्च पदों को भी प्राप्त कर सकते हैं। तृतीय स्मृति सुमन शिविर में कुल 9 लोगों को अनुकंपा नियुक्ति दी गई। जिसमें श्री विपिन उद्दे को सहायक ग्रेड-3 जिला राजस्व स्थापना कार्यालय, श्री जितेन्द्र वैष्णव को सहायक ग्रेड-3 जनजातीय कार्यविभाग मंडला, श्री मनीष कुमार नेताम को चतुर्थ श्रेणी जनजातीय कार्यविभाग मंडला, श्री शक्तिकुमार श्रीवास को चतुर्थ श्रेणी जनजातीय कार्यविभाग मंडला, कु. आसमा परवार को चतुर्थ श्रेणी शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय मंडला, श्री वेदप्रकाश कुर्वेती को चतुर्थ श्रेणी कार्यालय सहायक आयुक्त सहकारिता मंडला, श्री दुष्यंत तेकाम को चतुर्थ श्रेणी उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग मंडला, श्री अजयसिंह बघेल को ग्राम पंचायत सचिव तथा श्री विकास चौहान को ग्राम पंचायत सचिव के पद पर नवीन नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

खटारा बसों एवं डम्फरों पर कड़ी कार्यवाही करें-कलेक्टर

*** जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए गए निर्देश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में निर्देशित करते हुए कहा कि सभी स्कूल बसों के फिटनेस की जांच करें। खटारा बसों एवं डम्फरों पर कड़ी कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सीटबेल्ट लगाकर और हेलमेट पहनकर वाहन चलाने के लिए प्रतिदिन एक घंटे का अभियान चलाएं जिसमें लोगों को इसके लिए समझाईश दें। उन्होंने कहा कि लोडिंग तथा अनलोडिंग का समय निश्चित करें, यदि कोई ट्रांसपोर्टर निर्धारित समय के अलावा नियम उल्लंघन करता है तो उस पर नियमानुसार कार्यवाही करें। आवश्यकता अनुसार एफआईआर भी करें। एमपीआरडीसी के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि खड़देवरा से रामनगर रोड पर एनएच 30 से मिलने वाले चौराहे के पूर्व स्पीड ब्रेकर बनाएं। इसी तरह सिझौरा और भाई बहन नाला में नेशनल हाईवे से मिलने वाली सड़कों पर ब्रेकर बनाया जाना सुनिश्चित करें। एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली बैठक में दिए गए निर्देशानुसार चिन्हित ब्लेक स्पॉट पर फ्लेक्स/बोर्ड लगाए गए हैं, उनके फोटो तथा वीडियो साझा करें। एसडीएम मंडला को निर्देशित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शहर में लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही जारी रखें। बैठक के दौरान मार्च 2025 तक के हिट एण्ड रन के प्रकरण, कैशलेस स्कीम की एसओपी, घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर मिलने वाली प्रोत्साहन राशि, सीवर लाईन, जबलपुर मार्ग की मरम्मत सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला परिवहन अधिकारी बिमलेश गुप्ता, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम के साथ लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, मध्यप्रदेश सड़क निर्माण प्राधिकरण, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण तथा स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

पौधें के साथ प्लेटफार्म भी हो रहे हैं गायब, हर वर्ष लाखों खर्च होने के बाद भी दर्शन नहीं दे रहे पेड़

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। राष्टीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के तहत क्षेत्रवासियों की उम्मीद थी कि इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे लगाए जा रहे पेड़ों से क्षेत्र हरित जिले मे स्थान पा सकेगा। लेकिन आलम यह है कि लगाए गए पेड़ तों गायब ही है साथ ही उनके लिए बने प्लेट फार्म भी लगभग गायब होते जा रहे है। इस सच्चाई को देखते हुये क्षेत्रवासियों का यह समना ग्राम पंचायतों के पिछली पंचवर्षीय के दौरान सरपंच, सचिवों एवं योजना को लागू करने वाले अधिकारी एवं उपयांत्रियों की मनमानी की भेंट चढ़ गया है? जानकारी के अनुसार क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय तक बमुश्किल 20 प्रतिशत भी पेड़ सुरक्षित नही मिल पायेगे...? अधिकतर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि लगभग सारे पेड़ सूख चुके है और उनके लिए बनाए गए प्लेट फार्म टूटकर विखरने लगे है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे ग्रामीणों को काम देने और हरियाली बढ़ानें के उद्देश्य से बड़ी संख्या मे पेड़ लगाए गए थे, जिसके लिए करोड़ो रूपये का बजट खर्च किया गया है। वही इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई पर लगभग लाखो रूपये की राशि खर्च की जा चुकी है, लेकिन इस खर्च का कोई मतलब नही दिखाई दे रहा है? बीते हुए वर्षो में इस योजना के अंतर्गत तहसील के लगभग प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे पौधें लगाने के लिए राशि उपलब्ध कराई गई थी। वही ट्री गार्ड के निर्माण कार्यो में अनेकों ग्राम पंचायतो मे जो गफलत बाजी बरती गई है जिसका जीता जागता उदाहरण जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा व चावरपाठा की अनेक ग्राम पंचायत में आसानी से देखने मिल सकता है जहां पर बीते हुये पांच वर्षो के कार्यकाल के दौरान जहां हरित क्रांति के नाम पर लाखो रूपया खर्च होने के बाद भी हरियाली कोसो दूर तक नजर नही आ रही है? इस सब में हैरत की बात तो यह है कि क्षेत्र के आला अधिकारी भी इस विषय की जानकारी रखते हुये भी इस ओर कड़े कदम उठाने की बजाय चुप्पी साधें हुये है? यह ग्राम पंचायतों के माध्यम से बीते हुये पांच वर्ष के कार्यकाल में पौधा रोपण के नाम पर जो राशि खर्च की गई है उसकी निष्ठा के साथ जांच की जावे तो निश्चित ही अनेक पंचायतों के सरपंचों की सच्चाई उभरकर सामने आने से नही बच पायेगी?

नगर का पुराना कॉलेज भवन बना शराबियों का अड्डा, मंच से लेकर कमरों तक में छलक रहे जाम

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। जिस शहर में कभी मुश्किल से महुआ की शराब मिलती थी, अब बदले दौर में उसमें भरपूर हर ब्रांड की शराब मदिरा प्रेमियो को उपलब्ध हो रही है, किन्तु नगर में वीयरवार या अहाते न होने की स्थिति में रात में मदिरा प्रेमी युवा पानी पाऊच, डिस्पोजल, नमकीन के पैकिटो से लैस होकर शराब पीने के ठिकाने तलाशते नजर आते है, जिसका नतीजा है कि नगर के वीरान ईलाके तक खुली मधुशालाओं में तब्दील होते जा रहे है। गौरतलब है कि इन दिनों शिक्षा मंदिर कहे जाने वाले पुराने कालेज भवन के कमरो, खेल मैदान, उसके पास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बने हुए मंच पर शराब पीने का अत्याधिक शोक रखने वाले युवाओं की भीड़ जुटने लगती है और जैसे तैसे रात गहराती है समूचा पुराना कालेज ग्राउंड परिसर विविध ब्रांडो की शराब की गंध से सराबोर हो जाता है। पुरानें कालेज भवन के सामने लगी लोहे की जाली, कमरों के दरवाजे रोज शराब पीने मचलने वाले युवाओं तोड़ने से भी नही चूक रहे है और पुराने कालेज भवन के कमरो में उनके द्वारा जाम छलकाये जा रहे है। इसी तरह पुराने कालेज ग्राउंड में रात में हाई टेक युवा अपने मदिरा प्रेमी साथियो की महफिले जमा शेरो शायरी पढ़कर आनंदित हो रहे है। शराब प्रेमी युवाओं को जन्नत की तरह नजर आती है, जागरूक नागरिको का कहना है कि पुराने कालेज ग्राउंड पर शराबियो का जमघट लगने का प्रमुख कारण चंद कदम दूरी पर मदिरा मिलना और रात की तन्हाई प्रमुख कारण साबित हो रही है।

अनदेखी के चलते छोटे वाहन चालकों को करना पड़ रहा मुश्किलों का सामना, आये दिन जहां तहां बाइक स्लिप होने के कारण घायल हो रहे लोग...

केच व्हील बाले ट्रेक्टरों से खेतों की गिली मिट्टी सड़को पर फैलने से बन रही दुर्घटनाओं की अशंका...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा

भले ही पुलिस द्वारा इस समय जहां तहां अपने पाईन्ट लगाते हुए वाहन चैकिंग की जा रही हो मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश नही लगने के कारण अनेक लोग बैमौत मारे जाते है? क्योंकि पुलिस की वाहन चौकिंग कार्य प्रणाली मात्र औपचारिकता पूर्ण होने के कारण न तो उसके द्वारा यातायात व्यवस्था सुधारने की ओर पहल की जा रही है और न ही आये दिन घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को लेकर कोई गंभीरता बरती जा रही है। वही दूसरी ओर देखा जावे तो वाहन चालको की मनमानी इस तरह से हावी हो रही है कि शायद उनके दिलों से आम लोगों की जिन्दगी का महत्व ही समाप्त हो चुका है..? क्योंकि हर साल देखा जाता है कि जब बारिश का मौसम यानि की किसानों का धान रोपने की शुरूआत होती है तो उनके द्वारा जिस तरह धान के खेतों को तैयार करने में उपयोग किये जाने वाले ट्रेक्टरों को सड़को पर दौड़ते हुये गिली मिट्टी फैलाई जाती है वह सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बनने के साथ साथ अनेक लोगों की जिन्दगी को खतरा पैदा करने से नही चूकती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। यह बात अलग है कि इस वर्ष बारिश की शुरूआत जल्द होने के चलते धान लगाने की तैयारिया भी जल्द शुरू कर दी गई है। इसी के चलते धान लगाने के लिये वह अपने ट्रेक्टरों के बड़े चाको में केच व्हील लगाते हुये मचाने का कार्य करने में जुटे हुये देखे जा रहे है। इस कारण चल रही बारिश के दौर में उनके द्वारा अपने खेतों में धान फसल रोपने के लिये जिस प्रकार से खेतों को तैयार करने में जुट चुके है और इस दौरान सड़को पर और अधिक मात्रा में गिली मिट्टी फैलते हुये देखी जा रही है जो दुर्घटनाओं का कारण बनने से नही चूक रही है? इस तरह धान के लिये खेत तैयार करने के दौरान जिस प्रकार से ट्रेक्टर खेतों में चलने के बाद निकलते हुये सड़क पर पहुंचते है तो ट्रेक्टरों के चाको में लगी हुई पूरी मिट्टी सड़क पर बिखरने के चलते वह सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनते हुये देखी जाती है। यह सच्चाई सिर्फ इस वर्ष ही नही बल्कि हर साल बारिश के दौरान देखने मिलती है। जब इस प्रकार से किसानों के खेतों में धान लगाने का दौर शुरू होता है तो क्षेत्र की सड़क कीचड़ से सराबोर होने के दौरान यदि जरा सा भी पानी गिर जाता हे तो स्थिति भयानक रूप धारण कर लेती हे। यह सच्चाई बीते हुये कुछ दिनों से देखने मिल रही है जिसके कारण क्षेत्र की सड़को खेतों की गिली मिट्टी के चलते जहां तहां कीचड़ फैलने से नही चूक रही है और छोटे से लेकर बड़े वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार होते चले जा रहे है। क्योंकि क्षेत्र के किसानों द्वारा अपने खेतों में केच व्हील वाले ट्रेक्टरों का उपयोग करने के उपरांत कीचड युक्त अपने ट्रेक्टरों को जिस सड़क से निकाला जाता है उसके चलते इन ट्रेक्टरों के चाकों की कीचड़ यानि की गिली मिट्टी सड़कों पर विखरने के कारण आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा करने से नही चूकती है..? इस प्रकार की लापरवाही के चलते यदि बीते हुए वर्षो में घटित हुई घटनाओं पर गौर किया जावे तो अनेक युवाओं की मौत ट्रेक्टरों के माध्यम से फैली हुई इस कीचड़ के कारण ही हुई है और कुछ इसी प्रकार का हाल इस साल भी देखने मिलना शुरू हो चुका है। जिसके चलते आये दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित होना आम बात होती चली जा रही है..? इस प्रकार से खेतों में कैच व्हील वाले ट्रेक्टरों के उपयोग करने में किसानों द्वारा बरती जाने वाली लापरवाही के चलते अनेकोंबार तो किसान स्वयं ही इनका शिकार होकर अपनी जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूकते है? इसके बाद जब किसान धान के लिए खेतों को तैयार करने के उपरांत कीचड़ से सने हुये अपने ट्रेक्टरों को घर या फिर दूसरे स्थान पर ले जाते है तो जिस सड़क से वह ट्रेक्टर निकलता है उस मार्ग पर कीचड़ ही कीचड़ फैल जाता है। इस स्थिति में यदि कोई दो पहिया वाहन या फिर अन्य छोटे वाहन निकलते है तो ट्रेक्टरों के द्वारा फैली इस कीचड़ के चलते छोटे वान स्लिप होने से दुर्घटना का शिकार होने से नही चूकते है। इस तरह से किसानों द्वारा बरती जा रही लापरवाही के चलते जहां आम जन के लिए खतरा पैदा हो रहा है। मगर इस पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन द्वारा पूर्णरूप से उदासीनता बरती जा रही है, जिससे क्षेत्र में आये दिन घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में यह सड़को पर फैलने वाली कीचड प्रमुख रूप से दिखाई दे रही है। इस सच्चाई को लेकर आमजन द्वारा प्रशासन से मांग की जा रही है कि इस प्रकार से सड़को से कीचड़ युक्त चाक वाले ट्रेक्टरों के निकलने के चालको द्वारा बरती जा रही उदासीनता को गंभीरता लिया जावे। शासन प्रशासन से मांग की जा रही है कि सड़को पर कीचड़ फैलाने वाले ट्रेक्टर चालकों को प्रशासन द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए की यदि कोई भी ट्रेक्टर चालक इस प्रकार से कीचड़ युक्त ट्रेक्टरों को लेकर सड़को से निकलता है और सड़क पर कीचड़ फैलती है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जावेगी..? क्योंकि इस प्रकार से सड़कों पर फैलने वाली कीचड़ का शिकार उन लोगों के परिजन भी होने से नही बच पाते है जिनके द्वारा इस प्रकार से लापरवाही का परिचय देते हुए कीचड़ फैलाई जाती है। क्योंकि सड़को से सभी लोगों का निकलना होता है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय प्रमुख रूप से सालीचौका, सांईखेड़ा, चीचली, बारहाबड़ा, सिहोरा सहित क्षेत्र के अनेक मार्गो पर कीचड़ फैली हुई दिखाई दे रही है जिसके चलते छोटे वाहनों का निकलना मुश्किल हो रहा है। क्योंकि इस प्रकार से कीचड़ फैलने के बाद जब जरा सी बारिश हो जाती है तो तो कीचडयुक्त मार्ग और भयानक हो जाते है।

मातमी पर्व मोहर्रम का हुआ समापन, कर्बला में विसर्जित किये गये ताजिये

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस्लाम धर्मावलंबियों के मातमी पर्व की 10 तारीख बीते हुये रविवार को अकीदमंदों द्वारा हसन, हुसैन की याद में बनाए गए ताजिए नगर में निकाले गये, सैलाब देखता हूं तो होता है ये गुमान, पानी फिरता है तलाश-ए- हुसैन में, कातिल के सामने जो झुकाये न अपना सिर, समझों की उसके जेहन का मालिक हुसैन है। इन जजबातो को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष शहर के मुस्लिम भाईयों ने मातमी पर्व मोहर्रम शहर में भाईचारे का परिचय देते हुए मनाया गया। बताया जाता है कि हर साल ताजियों का मोहर्रम की 11 तारीख को मजमा शक्कर नदी में लगता था। मगर इस वर्ष बारिश के चलते इस मजमे के लिये जगह परिवर्तित रूप में देखने मिली जो सुबह सभी ताजिये नए बस स्टैंड बाबड़ी अखाड़ा दरगाह के पास रखे गये। यहा पर अंतिम दीदार के लिए भारी संख्या में लोग पहुँचे बाबड़ी अखाड़ा दरगाह कमेटी द्वारा यहां पर माकूल इंतजाम कर लंगर तक्सीम किया गया दो-तीन घंटे तक मजमा चलने के बाद सभी ताजिये क्रमबद्ध तरीके से या हसन या हुसेन के नारे लगाते हुए शिवांगन कालोनी होते हुये कर्बला के पास बने कुंड में विसर्जित किये गए। लोगो ने नियाज फातेहा पढ़ने के बाद दुआ मांगी। इस तर मोहर्रम की 11 तारीख सोमवार के सुबह 8 बजे से ताजियों के अंतिम दीदार के लिए नये बस स्टैन्ड पर बाद नमाज फजर सभी ताजिये विसर्जन हेतु रवाना हुये जहां मजमा लगा रहा और मुस्लिम भाईयों व महिलाओं द्वारा ताजियों का अंतिम दीदार किया। बताया जाता है कि इस मजमें के पश्चात सभी ताजिये करबला शरीफ विसर्जन के लिए हसन हुसैन के नारों के साथ रवाना हुए, जो शक्कर नदी पुल से निकलते हुसे शिवांगन के पीछे नपा द्वारा बनाये गये विसर्जन कुंड में ताजियों का सिवर्जन किया गया। इस मौके पर सैकड़ो लोगों ने ताजियों के अंतिम दीदार किये। इसके पूर्व रविवार की रात्रि में यौम ए आशूरा पर स्थानीय चांवडी वार्ड बारह भाई इमाम बाड़े के सामने एकत्र हुये ताजियों पर रात भर मजमा लगा रहा। यहां पर बड़ी तादात में लोगों ने आकर ताजियों पर लोभान छोड़ा व रेबड़ी का प्रसाद चढ़ाकर अपनी मंन्नते मांगी। वही दूसरी ओर व्यवस्थाएं बनाने के लिए उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व नगर निरीक्षज विक्रम रजक ने अपनी टीम के साथ यहां पर सारी रात व्यवस्थाएं बनाने में जुटे हुये देखे गये और पूरा प्रशासन जहां पूर्णरूप से अलर्ट पोजिसन में नजर आया। वही बताया जाता है कि इस मौके पर सवारियों ने पूरी रात नगर में रन किया तथा पूरी रात चले मजमे के बाद सुबह फजर की नमाज के उपरांत चांवड़ी से ताजियों का काफिला विसर्जन हेतु रवाना हुआ। शहीदी मोहर्रम की 11 तारीख को ताजियों को अलविदा करने के पूर्व अंतिम दीदार करने सैकड़ो की संख्या में लोग उनके दर्शन हेतु पहुंचते हुये देखे गये। वहां ताजियों पर रेबड़ी का प्रसाद चढ़ाकर ताजियों के समक्ष इत्र लोभान की धूनी देकर मंन्नते मांगी, ढोल तांसो के साथ पुरूषों, युवाओ व छोटे बच्चों द्वारा एकता व भाईचारे का प्रदर्शन किया तथा ताजियों का मजमा व विसर्जन को देखने के लिए शहर के अलावा आस पास के ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग आये थें। करबला में जगह जगह लंगर छबील का वितरण किया गया। इस दौरान जामा मस्जिद समिति द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि यहां पर शहर के ताजियों के आलवा समीपस्थ ग्राम कामती, सालीचौका, लिलवानी सहित अन्य जगहों की ताजिये भी आये हुए है जिन्हें स्थानीय शक्कर नदी करबला पर नपा द्वारा बनाये कुंड में सभी ताजियों को विसर्जित किया गया। मगर इस वर्ष नदी में पानी अधिक होने के कारण ताजियों को करबला तक पुल वाले रास्ते से ले जाया गया। वही ताजियों के विसर्जन का सिलसिला करीब दो घंटे तक चला, करबला शरीफ से लौटते वक्त टोलियों के साथ बहुत से लोग अलविदा अलविदा सारे शहीदों कर्बला या हुसैन इब्ने अली, दो जहां के सुल्ताँ अलविदा पढ़ते हुये ताजियाँ ठंडे करने के बाद अपने अपने घर वापिस लौटे। वही चावड़ी वार्ड बड़ेबली इमामबाडे में आज 8 जुलाई को नौजवान कमेटी की जानिब से हुसैनी लंगर का आयोजन सुबह 11 बजे से किया जा रहा है जिसको लेकर कमेटी ने सभी लोगो से लंगर में तशरीफ़ लाने की गुजारिश की है।

क्षेत्र में कागजों मे चल रहे अनेक आंगनबाडी केंद्र

हरिभूमि न्यूज/चीचली। सरकार द्वारा ग्रामीण महिलाओं व बच्चों को अनेक प्रकार के लाभ देने के उद्देश्य से करोड़ो रूपया खर्च आगंनवाड़ी केन्द्रो की स्थाना की गई है। मगर देखनें में आता है कि ग्रामीण अंचलों मे संचालित आंगनबाडियों का फायदा महिलाओं,बच्चों को नही मिल पा रहा है?जबकि इनके लिए सरकार करोडो रूपए खर्च कर योजनाए बनाती है। इस बात की सच्चाई इस समय समीपस्थ जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत अनेक गांवों में संचालित होने वाले आंगनवाड़ी केन्द्रो में आसानी से देखने मिली सकती है? बताया जाता है कि क्षेत्र के अनेक आंगनबाडियों में मासूम बच्चों को न तो पौष्टिक आहार मिलता और न पढाई सुविधा मिल रही है, वही गर्भवती महिलाओं को इन केन्द्रों से समय समय पर जो लाभ मिलना चाहिए था वही भी नही मिल पा रहा है। जबकि केन्द्रों के कागजों के हिसाब से देखा जावे तो उनकी खाना पूर्ति पूर्णरूप से होती रहती है, ग्रामीणों का आरोप है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी ,केंद्र प्रभारियों की सांठगांठ से फर्जी बिल,आंकडे तैयार कर प्रतिवर्ष लाखों रूपए गोलमाल कर दिए जाते है...? अनेक केंद्रों पर मनमर्जी है उन्हे आंगनबाडी केंद्र को कब बंद करना है। कब खोलना यह सब उसकी मनमर्जी पर होता है...? वही संबंधित अधिकारियों द्वारा इनका निरीक्षण सिर्फ शासकीय गाड़ियों में घूमते हुए औपचारिकत पूर्ण देखने मिलता है? जबकि सच्चाई पर नजर डाली जावे तो केन्द्र की अनेक योजनाएं बंद-आगंनबाडी केंद्रों मे चलने वाली गर्भवती महिलाओं, बच्चों के कुपोषण रोकने, पोषण आहार, गोद भराई, अन्न प्रसान,वजन मेला जैसी कई योजनाएं बंद पडी हुई जान पड़ रही है और इन तमाम कार्यक्रम सिर्फ कागजी खाना पूर्ति तक सीमित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है...? वही आंगबाडियों द्वारा बनाए गए महिला स्व सहायता समूह की भूमिका भी संदिग्ध नजर आने में भी पीछे दिखाई देने में कोई कसर नही छोड़ रही है, जिसमें फर्जी समूह बनाकर फायदा उठाये जाने की चर्चाएं आम होती चली जा रही है...? वही बच्चों को जिस प्रकार से साप्ताहित चार्ट के अनुसार भोजन मिलना चाहिए वह सिर्फ कागजों में तो मिल रही है,मगर हकीकत में यह सिर्फ कागजों तक ही सिमट कर रह गई है?

धरपकड़ मुहिम के तहत अलग अलग स्थानों से पुलिस ने जप्त की गई अवैध शराब

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

नगर सहित क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे शराब के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में लगातार धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के चलते उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में नगर निरीक्षक विक्रम रजक की टीम द्वारा नगर सहित क्षेत्र में अलग अलग जगहों पर छापा डालते हुये अवैध शराब जप्त करने में सफलता हासिल की गई है।

इस संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार गाडरवारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नगर के रानीलक्ष्मी बाई वार्ड में भूरेलाल पिता मिहीलाल धानक के पास से 5 लीटर व मरघुटा मुहल्ला में राजा पिता रामकुमार रजक निवासी डमरू घाटी के पास से 5 लीटर तथा नगर के कुचबंदिया मुहल्ला में माधव पिता गंगाराम धानक निवासी बीटीआई स्कूल के पास से 5 लीटर तो नगर के विवेकानंद वार्ड में अनिल पिता मोहनदास बैरागी के पास से 5 लीटर तथा नगर के कुचबंदिया मुहल्ला में पप्पू पिता अमृत लाल मांग निवासी लक्ष्मी बाई वार्ड के पास से 4 लीटर तो विवेकानंद वार्ड में एक महिला के पास से 10 लीटर तथा नगर के कुचबंदिया मुहल्ला में लवकुश पिता अमर सिंह कौरव निवासी ग्राम लिलवानी के पास से 10 लीटर एवं नगर के जमाडा रोड पर लाल सिंह पिता दामोदर जाटव निवासी जमाडा के पास से 16 पाव देशी प्लेन, नगर के रायल्टी आफिस के पास एक महिला के पास से 10 लीटर कच्ची महुंआ की शराब कुचबंदिया मुहल्ला में तुलसीराज उर्फ बोरा पिता उदयदीप धानक निवासी बीटीआई स्कूल के पास से 4 लीटर, नगर के रानी लक्ष्मी बाई वार्ड में माधव पिता गंगाराम धानक के पास से 10 लीटर, पुरानी रायल्टी आफिस के पास विवेकानंद वार्ड निवासी गोलू पिता रामदीन पटैल के पास से 5 लीटर तथा सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम खैरूआ में समीर पिता अब्बास खान के पास से 13 पाव देशी प्लेन,ग्राम नयाखेड़ा एक युवती के पास से 7 लीटर तो समीपस्थ सिहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम गरहा में वही के निवासी प्रहलाद पिता मंगल सिंह यादव के पास से 14 पाव देशी मसाला जप्त किये गये। वही समीपस्थ चीचली थाना के अंतर्गत ग्राम तेंदूखेड़ा छोटा में वही के निवासी एक महिला के पास से 12 पाव देशी प्लेन, ग्राम मऊ में हेमराज पिता छत्तर सिंह चौधरी के पास से 15 पाव देशी तथा ग्राम पुआरिया में वही के निवासी नरेश पिता मेहरबान सिंह कौरव के पास से 15 पाव देशी तथा ग्राम बारहाबड़ा में एक महिला के पास से 10 लीटर व राम गोपाल पिता फूलचंद उर्फ फुल्लू परधान के पास से भी 10 लीटर कच्ची व टीकाराम पिता शिमाल अहिरवार के पास से 13 पाव अंग्रेजी गोवा, परधान मुहल्ला में एक महिला के पास से 8 लीटर तो बाबू लाल पिता छोटे लाल परधान के पास से 5 लीटर शराब जप्त की गई। इसी प्रकार से डोगरगांव थाना क्षेत्र के अंतर्गत एनटीपीसी गेट क्रमांक 2 के पास छोटे लाल पिता गिरवर कौरव निवासी रायपुर के पास से 12 पाव देशी शराब जप्त की गई। इसी प्रकार सांईखेड़ा पुलिस द्वारा भी अपने थाने के अंतर्गत ग्राम पीपरपानी में प्रकाश पिता पोहप सिंह राजपूत के पास से 16 पाव देशी प्लेन व ग्राम देवरी बस स्टेन्ड के पास वीरालाल पिता नत्थू लाल नौरिया के पास से 19 पाव देशी व कठल पेटोल पंप के पास राजेश पिता धनराज लोधी निवासी झिरियामाता के पास से 16 पाव देशी प्लेन, ग्राम पिठवानी तिरहा के पास भूपेन्द्र पिता नेतराम ठाकुर के पास से 18 पाव शराब जप्त की गई। इस प्रकार से अवैध रूप से शराब रखे हुये पकड़कर आरोपियों के पास से शराब जप्त करते हुये धारा 34 आवकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दुकानों से लेकर वाहनों में भी धड़ल्ले से हो रहा घरेलू गैस का उपयोग, प्रशासन की भूमिका पर सबाल खड़े होने के साथ यदि किसी दिन घटना घटित हुई तो कौन होगा जिम्मेदार...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। यह बात अलग है कि इस समय लोगों को गैस आसानी से उपलब्ध होते हुये देखी जा रही है। मगर वही दूसरी ओर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित हैं। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर में जहां खुलेआम घरेलू गैस को नियम विरूद्व तरीके से दुकानों पर व्यवसायिक रूप से उपयोग हो रहा है। इस बात की सच्चाई नगर में चल रही अनेक होटलों से लेकर अंडा दुकानों से लेकर जहां तहां आयोजित होने वाले समारोहों में धडल्ले से घरेलू गैस का उपयोग होते हुये देखा जा रहा है। मगर हैरत की बात है कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से सच्चाई का नजर अंदाज किया जा रहा है वह निश्चित ही चर्चा का विषय बनने के साथ साथ अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि नियम के अनुसार घरेलू गैस का उपयोग सिर्फ घर के रसोई घरों में ही किया जा सकता है। मगर प्रशासन की अनेदेखी का परिणाम है कि रसोई गैस सिलेण्डरों का उपयोग धडल्ले से जहां समारोहो से लेकर अन्य कार्यक्रमों में होने के अलावा सड़क किनारे चलने वाले चाय नास्ता सहित अंडा दुकानों पर तक धडल्ले किया करते हुये देखा जा रहा है। इतना ही नही यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो गैस चलने वाले वाहनों में तक इस प्रकार से गैस किटों में घरेलू गैस सिल्डरों के माध्यम से गैर पलटी करते हुये वाहनों को दौड़ाया जा रहा है...? मगर पता नही प्रशासन के अधिकारियों द्वारा इन रसूखदार मालिको के बड़े प्रतिष्ठानो पर कार्यवाही करने की हिम्मत क्यो नही जुटा पा रहे है यह सच्चाई चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है? जबकि घरेलू गैस के दुरूपयोग को रोकना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी है मगर विभाग द्वारा दिखाई जाने वाली सुस्ती से घरेलू उपभोक्ताओं के हक पर डाका डाल रहे होटल संचालको व अन्य व्यवसायियो के हौसले बुलंद नजर आने से नही चूक पा रहे है। रसोई गैस में दौड़ रहे वाहन- इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र मे सैकड़ो की तादाद में सीएनजी ईधन से चलने वाले वाहन दौड़ रहे है वही दूसरी ओर जिले में कही भी सीएमजी रिफलिंग सेन्टर नही है, जो वाहन चालक अपने वाहन में वास्तव में सीएनजी भराना चाहता है उसे किसी दूसरे बड़े महानगरों के रिफलिंग सेन्टर जाना पड़ेगा, ऐसे में अब प्रश्न यह उठता है कि इन्हे सीएनजी गैस टेंक में डालने कहां से मिलती है जाहिर सी बात है उपभोक्ताओं के हिस्से की टंकी इन्ही वाहनो में रिफिल किये जाने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? जबकि देखा जावे तो इस प्रकार से रसोई गैस से वाहनो को दौड़ाने के चक्कर में आये दिन किसी ने किसी शहर में हादसे होने की खबर आती रहती है मगर इसके बाद भी प्रशासन का रवैया गैर जिम्मेदाराना होना अनेक प्रकार की चर्चाओं को जन्म देते हुये जान पड़ रहा है?

आधार केन्द्रों की कम के चलते अभिभावाकों सहित परेशान हो रहे छात्र, सालीचौका में आधार कार्ड केन्द्र बनाये जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जहां सरकार द्वारा हर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने से लेकर बैकों व खेती बाडी के कार्यो के लिये आधार कार्ड को अनिवार्य किया गया है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो कई वर्ष पहले जब लोगों के आधार कार्ड बनाये गये थें। उस दौरान आधार कार्य बनाने वाले लोगों द्वारा अनेक प्रकार की गलतियाँ किये जाने का परिणाम इस समय लोगों को भोगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि जब आधार कार्ड बनाये गये थें उस समय आधार कार्य की उपयोगिता नही होने के कारण लोगों द्वारा उस समय उन तुत्रियों पर ध्यान नही दिया गया था। मगर जब आधार कार्य को सभी कार्यें में जरूरी कर दिया गया है तो पहले आधार कार्ड बनाने में की गई गलतियाँ अब परेशानी का कारण बनने से नही चूक रहे है। इस तरह तुत्रिपूर्ण आधार कार्डो के सुधार को लेकर लोगों को भटकने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि आधार कार्य सुधार संबंधी केन्द्र शासन द्वारा निर्धारित किये गये है जिसके चलते अब सालीचौका क्षेत्र के लोगों को अपने आधार कार्ड सुधार कार्य कराने के लिये गाडरवारा या फिर चीचली सहित अन्य स्थानों पर भटकने के लिये मजबूर होना पड़ता है। वही दूसरी ओर निर्धारित किये गये इन केन्द्रो की संख्या सिमित होने के कारण बनाये गये आधार कार्ड केन्द्रो पर भीड़ की स्थिति होने से जहां लोग दिन दिन भर इंतजार करने के बाद खाली हाथ घरों को लौटने के लिये मजबूर होते हुये देखे जाते है। इस स्थिति में जब कोई व्यक्ति सालीचौका से गाडरवारा या फिर चीचली अपना आधार कार्ड सुधरवाने के लिये जाता है तो उसका दिन भर का समय बर्बाद होता है और यदि काम पूरा नही हो पाता है तो दूसरे दिन फिर भटकना पड़ता है। इस तरह आर्थिक क्षति सहित समयकी बर्बादी होने से नही चूक पा रही है। सालीचौका क्षेत्र के लोगों से शासन प्रशासन से मांग की जा रही है कि सालीचौका में आधार कार्ड बनाने व सुधार कार्य करने के लिये आधार केन्द्र की स्थापना कराई जावे।

खेत के रास्ते से निकलने की बात पर मारी लाठी

गाडरवारा। डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम कजरौटा निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह अपने भाई व उसकी पत्नी के साथ खेत जा रहा था। खेत जाने का रास्ता कालू कहार के खेत के बाजू से निकलना हुआ है जिसे उसने बखरते हुये गन्ना लगा दिया गया। इस तरह जब हमने बोला की यहां पर गन्ना क्यो लगा दिया इस रास्ते से तो हम कई वर्षो से निकलते है। इसी बात को लेकर कालू कहार द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये लाठी से मारपीट कर चोट पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

रास्ता रोककर की मारपीट

गाडरवारा। डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम चांदनखेड़ा निवासी एक व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह ग्राम रायपुर से आ रहा था उसी दौरान रास्ते में नाले के पास गांव का राम गोपाल कौरव तथा राजा सोनी मिला जो रास्ता रोकते हुये गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट की गई तथा उठाकर रोड पर पटकर चोटे पहुंचाते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खबर संक्षेप

नवागत बीईओ तीरथ सिंह परस्ते का शासकीय शिक्षक संगठन ने किया स्वागत

डिंडौरी। करंजिया विकासखंड के नवागत प्रभारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी तीरथ सिंह परस्ते का शासकीय शिक्षक संगठन द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर संगठन के जिला अध्यक्ष राम कुमार गर्ग ने विश्वास जताया कि परस्ते शिक्षकों के हितों की रक्षा करते हुए शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार हेतु सकारात्मक कदम उठाएंगे। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी व शिक्षकगण उपस्थित रहे। जिनमें प्रमुख रूप से भूपेंद्र सिंह करचाम, ओमप्रकाश लवकुश, विजय यादव, विश्राम सिंह टेकाम सहित अन्य शिक्षक शामिल थे। आयोजन सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ

स्थानांतरित कर्मचारियों का एकपक्षीय कार्यमुक्ति आदेश जारी

डिंडौरी। जनजातीय कार्य विभाग, डिंडौरी द्वारा जिले में स्थानांतरित किए गए अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एकपक्षीय कार्यमुक्ति आदेश जारी किया गया है। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग डिंडौरी ने आदेश में जारी किया। इस आदेश में बताया गया कि कलेक्टर कार्यालय के आदेश क्रमांक 478 से 497 तक, दिनांक 17 एवं 18 जून 2025 को जारी स्थानांतरण एवं युक्तियुक्तकरण आदेश क्रमांक 604 से 606 दिनांक 3 जुलाई को जिन अधिकारियों और कर्मचारियों का स्थानांतरण किया गया था, वे आज दिनांक तक कार्यमुक्त नहीं हुए हैं। ऐसी स्थिति में विभाग ने उन्हें आज दिनांक 04 जुलाई 2025 को नवीन पदस्थापना संस्था में उपस्थित होने हेतु एकपक्षीय रूप से कार्यमुक्त कर दिया है। साथ ही सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि स्थानांतरित कर्मियों का वेतन केवल नवीन पदस्थापना संस्था से ही आहरित किया जाए। साथ ही ईएचएमआरएस पोर्टल पर भी संबंधित जानकारी अपलोड कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित किया गया है। इस आदेश से स्पष्ट है कि विभाग अब स्थानांतरण में देरी को बर्दाश्त नहीं करेगा और समय पर अनुपालन सुनिश्चित करेगा।

बीएलओ, बीएलओ सुपरवाईजर का प्रशिक्षण 10, 11 एवं 12 जुलाई को

अनूपपुर। जिले के तीनों विधानसभाओं के बीएलओ, बीएलओ सुपरवाईजर के प्रशिक्षण की समय-सारणी निधार्रित की गई है। समय-सारणी के अनुसार 86-कोतमा विधानसभा के बीएलओ का प्रशिक्षण 10 जुलाई को शासकीय मॉडल स्कूल कोतमा में, 87-अनूपपुर विधानसभा के बीएलओ का प्रशिक्षण 11 जुलाई को एकलव्य आवासीय विद्यालय अनूपपुर में तथा 88-पुष्पराजगढ़ विधानसभा के बीएलओ का प्रशिक्षण 12 जुलाई को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखौरा में आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हर्षल पंचोली ने सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाईजर को निर्धारित समय पर प्रशिक्षण स्थल में उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण में दो मेडिकल स्टोर में मिली कमियों पर नोटिस जारी

अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन खाद्य एवं औषधि प्रशासन के दिशा निर्देश के पालन में जिला मुख्यालय अनूपपुर के वार्ड क्रमांक 1 सामतपुर में संचालित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र तथा कोतमा विकासखण्ड के राजनगर स्थित श्री राम मेडिकल स्टोर का निरीक्षण ड्रग इंस्पेक्टर अनूपपुर द्वारा किया गया निरीक्षण में कई कमियां परिलक्षित हुई है। दस्तावेजो का भी संधारण नही पाया गया। संबंधितों को औषधि एवं प्रशासन सामग्री नियमावली 1945 के नियम 66 के अंतर्गत औषधि और अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है।

स्थायी नियुक्ति, सेवा भूमि का स्वामित्व और सम्मानजनक वेतन वृद्धि की मांग

कोटवार संघ शहपुरा ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा 9 सूत्रीय ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज, शहपुरा

प्रदेश के 38,000 कोटवारों की लंबित समस्याओं को लेकर सोमवार को कोटवार संघ शहपुरा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम एक 9 सूत्रीय मांग पत्र तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन में कोटवारों ने राज्य सरकार से स्थायी नियुक्ति, सेवा भूमि के अधिकार, वर्दी वितरण व्यवस्था में सुधार, वेतन विसंगति दूर करने सहित कई मुद्दों पर तत्काल निर्णय की मांग की है।

संघ ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्यवाही नहीं हुई तो पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।

ज्ञापन की प्रमुख मांगें

1. कोटवारों को स्थायी नियुक्ति मिले:
प्रदेश के सभी 38,000 कोटवारों को स्थायी करने की मांग की गई है, जिससे उन्हें सेवा सुरक्षा और शासकीय लाभ सुनिश्चित हो सकें।

2. सेवा भूमि का स्वामित्व और अतिक्रमण मुक्ति:
वर्ष 2007 की 'कोटवार पंचायत' घोषणा अनुसार पात्रता परीक्षण के बाद कोटवारों को सेवा भूमि का मालिकाना हक देने और अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग उठाई गई।

3. वर्दी वितरण में पारदर्शिता:
भंडार क्रय नियम 2022 को अवैध बताते हुए कोटवारों ने मांग की कि वर्दी राशि सीधे बैंक खातों में दी जाए। जब तक यह व्यवस्था बहाल नहीं होती, घटिया वर्दी का बहिष्कार किया जाएगा।

4. असंवैधानिक पद समाप्ति का विरोध:
शहरी क्षेत्रों या एक ही गांव में एक से अधिक कोटवार होने की स्थिति में पद समाप्त करने संबंधी आदेश को तत्काल निरस्त करने की मांग की गई।

5. कोटवार परिवार को नियुक्ति में प्राथमिकता मिले:
कोटवार नियुक्ति में ग्राम पंचायत प्रस्ताव की बाध्यता समाप्त कर केवल पटवारी प्रतिवेदन और थाना से चरित्र प्रमाणपत्र को पर्याप्त माना जाए।

6. राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्ति:
राजनीतिक द्वेष से बचाने के लिए सरपंच या सचिव की अनुशंसा की बाध्यता समाप्त कर कोटवार की नियुक्ति का अधिकार तहसीलदार को दिए जाने की बात कही गई।

7. मृत्यु पर अनुग्रह राशि और अनुकंपा नियुक्ति:
सेवा काल में कोटवार की मृत्यु पर 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति की मांग की गई।

8. निष्कासन प्रक्रिया में पारदर्शिता:
गंभीर आरोपों में सेवा से पृथक करने का अधिकार केवल कलेक्टर को न्यायिक जांच के बाद ही हो, न कि तहसीलदार को।

9. वेतन विसंगति और भेदभाव दूर हों:
हरदा, भिण्ड जैसे जिलों में लंबित 500 रुपये वार्षिक वेतन वृद्धि को 1 अक्टूबर 2023 से लागू करने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग उठाई गई।

संघ ने दी आंदोलन की चेतावनी

कोटवार संघ शहपुरा ने दो टूक कहा है कि यदि सरकार इन न्यायोचित मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लेती, तो प्रदेश भर में उग्र आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी।

शासकीय आदर्श महाविद्यालय शहपुरा में दीक्षारंभ समारोह का भव्य आयोजन

सरस्वती वंदना से हुआ शुभारंभ, नवप्रवेशी विद्यार्थियों को दी गई योजनाओं की जानकारी

शहपुरा

मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय आदर्श महाविद्यालय शहपुरा, जिला डिंडोरी में त्रिदिवसीय प्रवेशोत्सव के तहत "दीक्षारंभ समारोह" का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।

समारोह की शुरुआत मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. स्वीटी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. एल.एन. साहू सहित समस्त प्राध्यापकों ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों का पारंपरिक तिलक लगाकर स्वागत किया और उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल झारिया ने प्रभावी ढंग से किया।

प्राध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों को शासन की प्रमुख शैक्षणिक एवं प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी दी गई, जिनमें प्रतिभा किरण योजना गाँव की बेटी योजना मेधावी छात्रवृत्ति योजना राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) रेड रिबन क्लब व्यक्तित्व विकास प्रकोष्ठ आवास योजना जैसी लाभकारी योजनाएँ प्रमुख रहीं।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. नेहा चौहान, डॉ. बीना शिवहरे,भागवत धुर्वे, श्रीराम ठाकुर, पूरन सिंह बरकड़े, डॉ. सुषमा मिश्रा, डॉ. शालिनी धुर्वे, डॉ. प्रदीप तिवारी, डॉ. राजू रैदास,टी.पी. साहू, डॉ. परमेश साकेत, डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. संगीता श्याम, जागृति परिहार एवं आलोक डेहरिया सहित समस्त शैक्षणिक स्टाफ मौजूद रहा।

गैर शैक्षणिक स्टाफ से कैलाश भवेदी, कंप्यूटर ऑपरेटर विशाल सिंह एवं बड़ी संख्या में नवप्रवेशी एवं वर्तमान विद्यार्थी समारोह में उपस्थित रहे।

यह दीक्षारंभ समारोह विद्यार्थियों के लिए महज एक परंपरा नहीं, बल्कि उनके शैक्षणिक जीवन की नई शुरुआत का प्रेरणादायक अवसर बना।

स्थानांतरण सूची में गड़बड़ी पर शिक्षक संगठन ने कलेक्टर को सुधार करने लिखा पत्र

डिंडौरी ।

शासकीय शिक्षक संगठन जिला डिंडौरी के अध्यक्ष राम कुमार गर्ग ने कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या को पत्र लिखकर जिले में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण (स्थानांतरण) में संशोधन की मांग की है। संगठन की ओर से बताया गया है कि जारी स्थानांतरण सूची में गंभीर त्रुटियाँ पाई गई हैं — जिनमें कुछ सेवानिवृत्त शिक्षकों के नाम शामिल हैं तथा एक ही शिक्षक का दो स्थानों पर स्थानांतरण दर्शाया गया है।

पत्र में यह भी आग्रह किया गया है कि पति-पत्नी शिक्षकों के स्थानांतरण को समायोजित कर एक ही स्थान पर पदस्थ किया जाए, जिससे पारिवारिक जीवन पर विपरीत प्रभाव न पड़े। संगठन ने कलेक्टर से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उन शिक्षकों के मामले में पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, जिन्हें कार्यग्रहण में कठिनाई आ रही है।

सूत्रों के अनुसार, जिले में स्थानांतरित 25% शिक्षकों ने पहले ही अपने नवीन स्कूलों में पदभार ग्रहण कर लिया है। साथ ही जिन शालाओं में अब तक शिक्षक शून्य थे, वहाँ अब शिक्षकों की नियुक्ति संभव हो पाई है।

जिले में सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग वासनिक एवं कलेक्टर नेहा मारव्या सिंह के नेतृत्व में निरंतर आदिवासी क्षेत्रों की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

डिंडौरी जिले में एयरपोर्ट निर्माण कराए जाने की मांग

डिंडोरी।

मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल डिंडोरी जिले में एयरपोर्ट की स्थापना की मांग ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। समाजसेवी व अधिवक्ता सम्यक जैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित उड्डयन मंत्री भारत सरकार को पत्र लिख समुचित विकास के लिए जिले में एयरपोर्ट खोले जाने की मांग की है. सम्यक ने बताया कि जिले की दुर्गम भौगोलिक स्थिति को देखते हुए रेलवे लाइन बिछाना अत्यंत कठिन और अत्यधिक खर्चीला साबित होगा। ऐसे में हवाई अड्डा ही एकमात्र व्यवहारिक विकल्प रह जाता है। डिंडोरी जिला घने जंगलों, पहाड़ियों और घाटियों से घिरा हुआ है, जिसके कारण रेल लाइन बिछाने के लिए बड़े पैमाने पर पहाड़ों को काटना और सुरंगें बनाना पड़ेगा। यह न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक होगा, बल्कि लागत भी बहुत अधिक आएगी। दूसरी ओर, हवाई अड्डा तुलनात्मक कम जगह में और अपेक्षाकृत कम समय में तैयार किया जा सकता है, जिससे जिले को शीघ्र ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संपर्क से जोड़ा जा सकेगा। वही पत्र में यह भी दर्शाया गया है कि सड़क मार्ग ही फिलहाल यहां का एकमात्र जीवन रेखा है, लेकिन लंबी दूरी और खराब सड़कें यात्रा को कठिन बनाती हैं। इलाज, शिक्षा और रोजगार के लिए जब लोगों को जबलपुर या अन्य बड़े शहरों तक जाना होता है, तो कई बार इमरजेंसी में भी घंटों इंतजार करना पड़ता है।

सम्यक ने प्रधानमंत्री व नागरिक उड्डयन मंत्रालय से आग्रह किया है कि डिंडोरी को 'उड़ान' योजना के तहत प्राथमिकता दी जाए ताकि हवाई संपर्क स्थापित कर क्षेत्र के विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। उनका कहना है कि डिंडोरी की प्राकृतिक सुंदरता, घने जंगल और आदिवासी संस्कृति पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, जिनका सही उपयोग तभी संभव है जब यहां तेज और सुलभ परिवहन साधन हों।

यदि हवाई अड्डा बनता है तो पर्यटन, व्यापार और निवेश को बढ़ावा मिलेगा, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और आदिवासी अंचल का समग्र विकास होगा।

सम्यक ने सरकार से अपील की है कि जल्द से जल्द विस्तृत सर्वे कर उपयुक्त स्थान चिन्हित किया जाए और इस बहुप्रतीक्षित परियोजना को साकार किया जाए ताकि डिंडोरी को भी मुख्यधारा से जोड़ने का सपना पूरा हो सके।

सरकारी रोपण से सैकड़ों बांस काटकर बेचे गए, वन विभाग बेखबर!

पर्यावरण संरक्षण योजनाओं पर फिर उठे सवाल

डिंडौरी ।

पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र विस्तार के लिए शासन द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से वनभूमि पर वृक्षारोपण कराया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। वन परिक्षेत्र अमरपुर के ग्राम सारंगढ़ के कक्ष क्रमांक 201-202 में वर्ष 2009-10 में किए गए बांस रोपण पर ग्रामीणों की नजरें अब आर्थिक लाभ के उद्देश्य से टिक गई हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, ग्राम का निवासी पूरन सिंह मसराम, जो पूर्व में ग्राम पंचायत सचिव के पद से बर्खास्त हो चुका है, ने अपने निजी स्वार्थ में सैकड़ों की संख्या में परिपक्व बांसों की अवैध कटाई कराई। इन बांसों को ट्रैक्टर के माध्यम से अन्यत्र ले जाकर खुलेआम बेच भी दिया गया।

तीन महीने तक विभाग को भनक तक नहीं! सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अवैध कटाई मार्च महीने में की गई थी और अब जुलाई माह चल रहा है, बावजूद इसके वन विभाग के जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारी इस पूरे घटनाक्रम से पूरी तरह अनभिज्ञ बने हुए हैं। यह न सिर्फ विभागीय लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि सरकारी संसाधनों की खुली लूट को भी दर्शाता है।

मौके पर कटे बांसों के अवशेष मौजूद सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों द्वारा जब रोपणी स्थल का निरीक्षण किया गया तो मौके पर भारी संख्या में बांस कटे पाए गए। ना तो वहां किसी प्रकार का सूचना बोर्ड लगा था और ना ही रोपण की लागत व संख्या की कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध है।

अधिकारी बोले— "मुझे जानकारी नहीं" सहायक परिक्षेत्र अधिकारी ने स्वीकार किया कि कक्ष क्रमांक 201-202 में 2009-10 में बांस रोपे गए थे, लेकिन रोपण के बाद वे स्थानांतरण होकर भानपुर चले गए थे। नतीजतन न तो उन्हें इसकी लागत का अंदाजा है और न ही बांस कटाई की जानकारी।

बांस खरीदारों की नहीं कमी, ग्रामीणों की नीयत गड़बड़ सूत्रों की मानें तो परिपक्व हो चुके बांसों की खरीदी-बिक्री के लिए बाजार में कई इच्छुक लोग तैयार बैठे हैं, जिससे ग्रामीणों को अवैध कटाई के लिए प्रोत्साहन मिल रहा है। पूरन सिंह मसराम का नाम पहले भी पंचायत में गड़बड़ी के मामलों में सामने आ चुका है, ऐसे में उसकी भूमिका पर गंभीर सवाल उठना लाजमी है।

कलेक्ट्रेट परिसर अनूपपुर के लिए डीएम ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कार्यालय कलेक्टर अनूपपुर में जुलूस, आमसभा, नारेबाजी एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के आए दिन उपयोग से कार्यालयीन एवं न्यायालयीन कार्य प्रभावित होता है एवं परिशांति भंग होने की संभावना बनी हुई है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हर्षल पंचोली ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर के परिसर में ध्वनि विस्तार यंत्र पर रोक लगाने हेतु प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित किया गया है। कोई भी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन अथवा कोई भी आंदोलनकारी व्यक्ति इस परिसर में प्रतिबंधित रहेंगे। ध्वनि विस्तार यंत्र का उपयोग उक्त परिसर एवं उससे लगे हुए 100 मीटर की परिधि में प्रतिबंधित किया गया है। ज्ञापन सौपे जाने के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार (मेनगेट) पर ही शांतिपूर्ण ढंग से कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए व्यक्ति/संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा अधिकृत अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

लोकेश्वर प्रसाद ने दूसरे पक्ष से सांठ-गांठ करने का फुनगा पुलिस पर लगाये आरोप

पुलिस महानिरीक्षक को शिकायत देकर की कार्यवाही की मांग

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

लोकेश्वर प्रसाद पिता जानकी प्रसाद मिश्रा निवासी ग्राम व पोस्ट बम्हनी द्वारा पुलिस महा निरीक्षक संभाग शहडोल पुलिस चौकी फुनगा को दिये गये आवेदन पर कार्यवाही न किये जाने के संबंध मे शिकायती आवेदन दिया है। शिकायत मे बताया गया कि आवेदक लोकेश्वर प्रसाद पिता जानकी प्रसाद मिश्रा के द्वारा अनावेदक उत्तम लाल पटेल, सूरजभान पटेल, बृजभान पटेल के खिलाफ पुलिस चौकी फुनगा व पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के यहां आवेदन प्रस्तुत किया गया था जिसमें पुलिस चौकी फुनगा पुलिस के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई बल्कि आवेदक के पुत्र के विरुद्ध 107 व 116 की कार्यवाही की गई जबकि आवेदक का पुत्र घटना के समय वहां पर उपस्थित नहीं था और न ही आवेदक के पुत्र के द्वारा कोई विवाद किया गया था। सउनि कोमल अरजरिया के द्वारा अनावेदक के साथ सांठ-गांठ करते हुए अनावेदक को लाभ पहुंचाया गया है जिसमें आवेदक की भूमि पर अनावेदक के

द्वारा जबरन जे.सी.बी चलाकर गढ़ढा खोद कर मोड को तोड दिया और व पानी के रास्ते को बंद कर दिया और अब अनावेदक उस भूमि पर फसल बोकर कब्जा करना चाहता है और अनावेदक के हौसले बुलंद हैं वह बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। जबकि उपरोक्त भूमि का विवाद माननीय आयुक्त शहडोल के यहां अंतिम आदेश के लिए नियत है और आवेदक द्वारा बार-बार चौकी में बताया जा रहा है अनावेदक भूमि के स्वरूप को परिवर्तन करने में लगा है तब तक अंतिम आदेश नहीं आ जाता है तब तक अनावेदक भूमि के स्वरूप को परिवर्तन करने में रोका जाए।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, मंगलवार 8 जुलाई 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

युवक ने लगाई फांसी, मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली के निवासी युवक द्वारा घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सुमित पिता संदीप मेहरा उम्र 18 वर्ष निवासी उमरिया चिनकी थाना कोतवाली द्वारा अपने ही घर पर फांसी लगा ली गई। जिस उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर परीक्षण के दौरान डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस आत्महत्या के कारण का पता लगाने जुटी हुई है।

युवक ने खाया जहर हुई मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस युवक द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कैलाश पिता श्यामलाल प्रजापति उम्र 25 वर्ष निवासी निवारी पान थाना कोतवाली द्वारा अज्ञात कारणों से अपने ही घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिससे उपचार हेतु परिजनों द्वारा जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

महिला ने खाया जहर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस महिला द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जयंती पति इमरत ठाकुर उम्र 28 वर्ष निवासी झिलपनी थाना सुआतला द्वारा अज्ञात कारणों से अपने ही घर पर जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

जूड़ों के लिए ट्रायल 12 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला जूडो संघ द्वारा 12 जुलाई को जिला स्तरीय सब जूनियर व कैडेट जूडो टीम बालक - बालिका के लिये चयन ट्रायल असेम्बली हॉल नरसिंहपुर में आयोजित की जा रही है। सब जूनियर वर्ग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का जन्म वर्ष 2011, 2012, 2013 का व कैडेट वर्ग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का जन्म वर्ष 2008, 2009, 2010 का होना चाहिए, सभी प्रतिभागी अपना आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र व मूल निवासी प्रमाण पत्र साथ लेकर आवे, जन्म प्रमाण पत्र 31 दिसम्बर 2022 से पूर्व का बना हो या रजिस्ट्रेशन हो रखा हो, इस चयन ट्रायल में जिला जूडो संघ नरसिंहपुर से पंजीकृत क्लब एवं खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे जिन क्लब या खिलाड़ियों का पंजीयन जिला जूडो संघ नरसिंहपुर से नही है वह इस चयन ट्रायल में भाग नही ले सकेंगे, इस चयन ट्रायल में चयनित खिलाड़ी आगामी राज्य स्तरीय सब जूनियर व कैडेट जूडो प्रतियोगिता में भाग लेंगे चयन ट्रायल दोपहर 11 बजे से आयोजित है।

ड्रीमलैंड सिटी पार्ट ए के भूखण्डों के क्रय-विक्रय में रोक

हरिभूमि न्यूज सिवनी। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी ने ड्रीमलैंड सिटी पार्ट ए के भूमि खसरा नंबर 18/1, 20/1, 20/2, 21/1, 21/2, 21/3 कुल रकबा 11.021 हेक्टेयर के समस्त भूखण्डों के क्रय-विक्रय को आगामी आदेश तक रोके जाने के आदेश जारी किए हैं। न्यायालय कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी जिला सिवनी द्वारा ग्राम पंचायत डोरली छतरपुर को कालोनी हस्तांतरण आदेश को निरस्त करने के परिपालन में उक्त आदेश जारी किए गए

जिले में 428.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई

हरिभूमि न्यूज सिवनी। भू-अभिलेख कार्यालय सिवनी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 01 जून से 07 जुलाई 25 तक 428.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। विकासखंडवार वर्षा की प्राप्त जानकारी के अनुसार 01 जून से 07 जुलाई तक विकासखंड सिवनी में 346.0 मि.मी, कुरई में 127.0 मि.मी., बरघाट में 197.1 मि.मी., केवलारी में 531.8 मि.मी., छपारा 543.9 मि.मी, लखनादौन में 420.1 मिमी, धनौरा में 540.9 मिमी एवं घंसौर में 724 मिमी. वर्षा, इस प्रकार कुल 3430.8 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है।

कलेक्टर व पूर्व राज्य मंत्री ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार हेतु प्रोत्साहन

इंस्पायर अवार्ड योजना से छात्र-छात्राओं की प्रतिभाओं को मिलेगी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । गत दिवस कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कहा कि इंस्पायर अवार्ड योजना के माध्यम से छात्र- छात्राओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इससे छात्र-छात्राओं को अपने नवीन विचारों तकनीकी को प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है और वे विज्ञान के प्रति आकर्षित होकर नवीन विचारों को प्रदर्शित करते हैं। कलेक्टर श्रीमती पटले सोमवार को पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एमएलबी नरसिंहपुर में आयोजित इंस्पायर अवार्ड- 2025 जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे, जिला पंचायत सीईओ दलीप कुमार, सहित जिला स्तरीय अधिकारी- कर्मचारी, शिक्षक- शिक्षिका एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित थे।

विज्ञान के नवाचार बनाई पर प्रदर्शनी

कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि इंस्पायर अवार्ड योजना के माध्यम से छात्र- छात्राओं में विज्ञान की शिक्षा के प्रति सोच में बदलाव लाया जाता है, जिससे छात्र- छात्रायें विज्ञान की शिक्षा प्राप्त कर नये- नये प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्रायें प्रैक्टिकल के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करें। छात्र- छात्राओं को विषय वस्तु प्रैक्टिकल के माध्यम से समझाया जाये। आज के इस परिवेश में प्रत्येक छात्र- छात्राओं को विज्ञान के प्रति जागरूक होना जरूरी है। इसके लिए शिक्षक छात्र- छात्राओं में विज्ञान एवं नये- नये प्रयोगों के प्रति जागरूकता लायें, जिससे हमारा देश विज्ञान की दिशा में विश्व में आगे बढ़ सके। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले चैट जीटीपी, फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम इत्यादि की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अतिथियों ने किया मॉडलों को अवलोकन

उन्होंने छात्र- छात्राओं को विज्ञान एवं नवीन विचारों के क्षेत्र में आगे बढ़ने की सलाह दी, जिससे आने वाले दिनों में छात्र- छात्रायें स्वयं का रोजगार स्थापित कर रोजगार देने वाले बन सकें। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कहा कि इंस्पायर अवार्ड योजना के माध्यम से छात्र- छात्राओं की प्रतिभाओं को प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है, जिसमें छात्र- छात्रायें अपने- अपने मॉडलों को प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि सभी छात्र- छात्राओं को देश व समाज की सेवा के लिए आगे आना चाहिये। कार्यक्रम के पश्चात छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत किये गये विज्ञान एवं नये प्रयोगों के मॉडलों का अवलोकन किया गया। उन्होंने इस अवसर पर छात्र- छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत किये गये विज्ञान के मॉडलों के संबंध में जानकारी ली। कार्यक्रम में विज्ञान से संबंधित गीत भी प्रस्तुत किये गये।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति है रोजगारोन्मुखी

पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि इंस्पायर अवार्ड योजना छात्र- छात्राओं की विज्ञान प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है। भारत देश विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हमारे देश में सभी छात्र-छात्राओं को देश व समाज की सेवा के लिए आगे आना चाहिये। भारत देश विज्ञान के माध्यम से चंद्रमा तक पहुंच चुका है और हमारी पहचान एक शक्तिशाली देश के रूप में स्थापित हो चुकी है। पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को रूचिकार एवं रोजगारोन्मुखी बनाया गया है, जिससे छात्र-छात्रायें अपने रूचिकार विषयों का चयन कर सके। उन्होंने कहा कि भारत देश को विश्व स्तर पर होने वाले परिवर्तन की दिशा में भी काम करना होगा, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से ही संभव होगा। पूर्व राज्यमंत्री श्री पटेल इंस्पायर अवार्ड- 2025 में पहुंचे छात्र- छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इंस्पायर अवार्ड योजना- 2025 कार्यक्रम को नगर पालिका अध्यक्ष नीरज दुबे और जिला पंचायत सीईओ दलीप कुमार ने भी संबोधित किया।

कागजों व बातों में ही दिख रहा विकास

सरकार के दावों पर फिर रहा पानी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा ग्राम विकास को लेकर बड़े बड़े वादे किए जाते है तथा लाखों रूपए की राशि स्वीकृत कर लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराए जाने की बात की जाती है। वही प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों की लापरवाही के कारण ग्राम का विकास नही हो पाता ऐसा ही मामला जनपद पंचायत चावरपाठा की ग्राम पंचायत ढिगसरा के सूखा नामक गांव में सामने आया जहां पर शमसान घाट जाने के लिए रास्त भी नही बनाया गया। सरकार द्वारा लाखों रुपये की राशि खर्च कर ग्राम विकास की योजनाएं संचालित कर लोगों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के वादे करती है लेकिन प्रशासन में बैठे गैर जिम्मेदार व लापरवाह अधिकारी कर्मचारी सरकार के मंसूबों पर पानी फेरते नजर आते है। ग्राम पंचायत ढिगसरा के गांव सूखा में प्रशासन के दावों की पोल खुलती नजर आ रही है शासन और प्रशासन विकास के लाख दावे पेश करते हैं लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। बताया गया कि सूखा गांव में करीब 300 लोगों की आबादी है। कागजों में तो इस गांव में भारी विकास व सुविधाएं दर्शायी गई हैं लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहती है यहां लोगों के लिए मुक्तिधाम तो बनाया गया लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए लोग कीचड़ भरे रास्तों का सफर करने को मजबूर है, पक्की सड़क तो छोड़िए मुरूम तक की सड़क स्थानीय लोगों को नसीब नहीं हो रही है लोग भारी कीचड़ में कंधों में मैयत लेकर जाना पड़ता है। गावं में सुविधाओं का आभाव कितना है इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। उक्त संबंध मे ग्रामीणों द्वार अनेको बार मांग की गई। लेकिन उनकी समस्या पर किसी अधिकारी का ध्यान नहीं गया।

पोषण आहार सप्ताह के तहत कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. आर. बी. सिंह के निर्देशन में पोषण आहार सप्ताह के रूप में भाषण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक छात्रों ने अपने-अपने विचार रखें तथा उन्होंने बताया कि पोषण आहार के अभाव में सबसे अधिक महिलाएं शिकार होती है, जिन गर्भवती महिलाओं को पोषण की कमी होती है और वे असामयिक मृत्यु की शिकार हो जाती हैं और असमय मृत्यु को प्राप्त हो जाती है। एनीमिया जैसे असाध्य रोगों का शिकार हो जाती है और छोटे बच्चों को पोषण आहार ना मिलने से उन्हें विभिन्न प्रकार के रोगों का सामना करना पड़ता है और वे पोलियो जैसे बीमारी के शिकार हो जाते है और आजीवन यातना झेलते है। इसलिए पोषण आहार के रूप में उन्हें दूध, दही, फल और दूध आदि अपने आहार में शामिल करना चाहिए जिससे कि उन्हें स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक तत्व मिल सके। हमारी सरकार पोषण आहार के प्रति जागरूक करने के लिए अत्यंत संवेदनशील है। जिससे कि हमारा देश के नागरिक स्वस्थ रहे और राष्ट्र को भी विकसित करने मे अपनी अहम भूमिका का निर्वाहन करे और राष्ट्र को भी स्वास्थ्य पर कम खर्च करना पड़े। इसलिए देश के नागरिको को पोषण आहार के प्रति जागरूक करना आवश्यक है ताकि स्वास्थ्य पर कम व्यय हो। इसलिए समाज के लोगों को पोषण आहार के प्रति जागरूक करना परम आवश्यक है। पोषण आहार में दूध, हरि सब्जियां, सूखे मेवे, मछली, अंडे, दालें आदि आवश्यक तत्व शामिल कर सकते हैं जिससे हमारे शरीर को तत्व प्राप्त हो सके और हमारे अंदर प्रतिरक्षा क्षमता का विकास हो सके ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण का बहुत ज्यादा अभाव होता है आहार मिल भी जाए तो वे आवश्यक चीजों को शामिल नहीं करते है। परिणाम स्वरूप विविध रोगों का शिकार हो जाते है जिससे वे समाज विकास में वे पिछड़ जाते और विभिन्न कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।

इस अवसर पर निर्णायक के रूप में प्रो.केशब प्रसाद पाण्डेय और डॉ. नमिता साहू उपस्थित थे। रासेयो के स्वयंसेवक छात्र दिनेश अग्रवाल, हर्षित चैरसिया, मानस गुप्ता, विवेक साहू, रोहित नौरिया, मनीषा राजपूत, शिखा वर्मा, यशवन्त साहू, श्रीकुमार साहू आदि अनेक स्वयंसेवक छात्र बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इस मौके पर पोषण आहार का महत्व विषय पर पोस्टर और नारालेखन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। दलनायक दिनेश अग्रवाल ने मंच का संचालन किया अंत में विवेक साहू ने आभार माना। समस्त कार्यक्रम का आयोजन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ जी.एस. मर्सकोले के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

एसपी ने ली कानून व्यवस्था एवं अपराध समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम में अपराध एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की गयी। बैठक में जिले के अति. पुलिस अधीक्षक, सभी अनुभागों के एसडीओपी, रक्षित निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं चैकी प्रभारी एवं सभी शाखा प्रभारी उपस्थित हुये। समीक्षा बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा जिले में महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम हेतु विशेष कदम उठाने हेतु दिशा निर्देश देते हुए यह भी कहा गया कि यदि किसी भी महिला संबंधी अपराध की रिपोर्ट आती है तो तत्परता पूर्वक वैधानिक कार्यवाही की जाना सुनिश्चित किया जावे। थानों में लंबित अपराधों का समयावधि में निकाल हेतु समस्त एसडीओपी एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया एवं जिले में अवैध शराब का अवैध परिवहन, विक्रय, अवैध मादक पदार्थ का विक्रय, सट्टा, जुआ एवं रेत माफियाओं एवं समस्त प्रकार के माफियाओं पर सख्ती बरतते हुये क्षेत्र में अवैध कारोबार का पूर्णतः प्रतिबंधित करने हेतु सख्ती से निर्देशित किया गया है साथ ही थाना स्तर पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण कर शिकायत कर्ता को संतुष्ट किया जावे एवं अनावश्यक आजमनों की शिकायतों को लंबित न रखा जावे तथा जिला एवं अनुभाग स्तर पर शिविर का आयोजन कर पीडित व्यक्तियों की शिकायत प्राप्त कर उनका त्वरित निराकरण किया जावे। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिये गये कि उनके क्षेत्र में यदि अवैध गतिविधियों के संचालन की जानकारी प्राप्त होती है तो उनके विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी।

हाइवे पर नशे का अड्डा! ढाबों में चल रहे गुप्त अहाते, प्रशासन बेखबर

सिवनी/बरघाट। बरघाट क्षेत्र में इन दिनों नशे का अवैध कारोबार बेलगाम होता जा रहा है। शराब ठेकों से अंग्रेजी शराब सीधे हाइवे किनारे ढाबों तक सप्लाई की जा रही है, जहां ग्राहकों को खुलेआम बैठाकर शराब पिलाई जा रही है। बरघाट से बहरई गांव तक के हाईवे पर स्थित कई ढाबों में सेपरेट रूम बनाए गए हैं, जहां आरामदायक माहौल में लोग शराबखोरी कर रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन ढाबों में नाबालिग बच्चे भी रात के अंधेरे में पहुंचकर शराब का सेवन कर रहे हैं।

बिना अनुमति चल रहे हैं 'अहाते', अधिकारी बेखबर!

बरघाट क्षेत्र में ढाबों के भीतर बिना अनुमति चल रहे अहातों में शराब परोसी जा रही है। सिवनी-बालाघाट हाईवे पर संचालित कई ढाबों में न केवल युवाओं को, बल्कि नाबालिगों को भी शराब परोसी जा रही है।

इन ढाबों में बैठकर नशा करने के बाद लोग नशे की हालत में वाहन चलाकर लौटते हैं, जिससे सडक़ हादसों का खतरा बढ़ता जा रहा है।

आबकारी विभाग और प्रशासन की अनदेखी के चलते ये ढाबे खुलेआम शराबखोरी के अड्डे बनते जा रहे हैं, लेकिन

बरघाट पुलिस ने गौवंश वध एवं गौमांश का विक्रय करने वाले आरोपियो के विरूद्ध कार्यवाही कर गिरफ्तार कर भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

बरघाट पुलिस को दिनांक 05/07/2025 को ग्राम भ्रमण के दौरान ग्राम बोरीकलां में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम बोरीकला का कईम खान अपने साथी के साथ मिलकर बोरीकला में अपने घर के पीछे कोठे (छपरी) में गौवंश वध कर रहा है। उक्त सूचना की प्राति पर पुलिस अधीक्षक सिवनी थी सुनील मेहता एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के द्वारा थाना प्रभारी बरघाट को त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ललित गउरे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बरघाट के नेतृत्व में तत्काल थाना स्तर पर पुलिस टीम द्वारा मूखबिर के बताए गये स्थान पर दबिश दी गई मकान की घेराबंदी कर दीवार के उपर से झांककर देखने पर फईम खान के घर के पीछे कोठे (छपरी) में दो व्यक्ति गौवंश वध करते दिखाई दिये पुलिस को देखकर एक व्यक्ति दीवार कूदकर भाग गया पीछा करने पर नहीं मिला अंधेरा का कायदा उठाकर भाग गया एक व्यक्ति मौके पर मिला नाम पता पूछने पर अपना नाम फईम पिता कयुम मुसलमान उम्र 47 साल निवासी बोरीकला बताया भागने वाले व्यक्ति के संबंध में पूछने पर उसका नाम नब्बू मुसलमान निवासी उर्दू स्कूल के सामने बोरीकला बताया मौके पर दो प्लास्टिक की बोरियों में कटा हुआ गौमांश भरा था एवं गौवंश काटने के हथियार पड़े हुए थे, आरोपी फईम खान से पूछताछ करने पर काटे गया मांश गौवंश (नाटा) का होना और मांश घर के सामने तरफ खड़ी टी0व्ही0एस0 स्कूटी क्रमांक एमपी-22 जेड.डी. 8415 की डिक्की में भरकर रखना तथा गौमांश को जनता नगर कुंडासिवनी निवासी अरमान खान पिता सादिक खान को बेचना बताया।

मौके पर आरोपी फईम खान के कब्जे से 112.98 किलो गौमांश, गौमांश काटने ने प्रयुक्त हथियार एवं एक टी.व्ही.एस. स्कूटी क. एमपी-22 जेड.डी. 8415 को गवाहो की उपस्थिति में जप्त किया गया है। बाद आरोपी नब्बू खान की तलाश पतासाजी उसके घर पर किये जो नहीं मिला बाद आरोपी अरमान खान निवासी डूंडासिवनी की तलाश पतासाजी किये जो घर पर उपस्थित मिला पूछताछ करने पर अपराध करना स्वीकार किया। बाद आरोपी फईम खान, अरमान खान एवं नब्बू खान के विरूद्ध धारा 4,5,9 म.प्र. गाँवश वध प्रति. अधि., 11 (1) (घ) पशुओं के प्रति कुरता निवा.अधि. 325,3(5) बीएनएस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

गिरफ्तार आरोपीगण कईम खान एवं अरमान खान को गिरफ्तार कर त्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। गिरफ्तार आरोपीगण फईम खान पिता कय्यूम खान उम्र 47 साल निवासी बोरीकली थाना बरघाट 2. अरमान खान पिता सादिक खान उम्र 19 साल निवासी जनता नगर डूंडासिवनी फरार आरोपी नब्बू खान पिता नसीम खान निवासी बोरीकों थाना बरघाट आरोपी फईम खान का आपराधिक रिकार्ड (1) अप.क्र. 05/16 धारा 13 जुआ एक्ट (2). अप.क्र. 147/20 धारा 13 जुआ एक्ट (3) अप.क्र. 83/22 धारा 4,5,9 म.प्र. गाँवश वध प्रति. अधि. 11 (1) (घ) पशुओ के प्रति क्रूरता निवश, अधि. 429,34 भादवि., (4) कुंडासिवनी अप.क. 336/24 धारा 4,5,9 म.प्र. गौवश वध प्रति. अधि., 11(1)(घ) पशुओ के प्रति क्रूरता निवा. अधि. 325 बीएनएस. जतशुदा गौवंश एवं अन्य सामग्री (1) 112.98 किलो गौमांश किमती 17,000 रूपये (2) गौवंश के अवशेष एवं गौवंश काटने के औजार (3) घटना में प्रयुक्त टी.व्ही.एस. स्कूटी क. एमपी-22 जेड.डी. 8415 किमती 1,25,000 रूपये।